D. B. College, Jaynagar
Deptt of. Pol. science
B.A III – Pub. Admin –

DR. A.K. Yadav
Asstt prof. G.P.T.T
Political science

Date – 29-10-2020

Lecture-No- 27 And 28

संगठन का शास्त्रीय सिद्धांत
(Classical Theory of organisation)

संगठन की अवधारणा के प्रति विद्वानों द्वारा, जो विभिन्न सिद्धांत एवं दृष्टिकोण अपनाए गए हैं, उनमें संरचनात्मक दृष्टिकोण अथवा शास्त्रीय सिद्धांत का महत्वपूर्ण स्थान है। इसे यांत्रिक दृष्टिकोण (mechanistic Theory) भी कहा जाता है। यह संगठन का पुराना दृष्टिकोण है। इसलिए इसे परम्परागत दृष्टिकोण भी कहा जाता है। हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक, एल. एफ० उर्विक, एम० पी० फालेट, ए० सी० रैले, जे०डी० मूने आदि प्रमुख विद्वान इस सर्वाधिक प्रचलित विचारधारा के समर्थक हैं। इन लेखकों का तर्क है कि प्रशासन, प्रशासन होता है, चाहे उसके द्वारा किसी प्रकार के कार्य किसी परिप्रेक्ष्य में क्यों न सम्पादित किया जाए। इसमें अतिविस्तृत प्रशासकीय पद्धति के महत्वपूर्ण तत्वों तथा सभी प्रशासकीय संरचनाओं में सामान्य विशेषताओं या तत्वों को स्वीकार किया जाता है। उसका उद्देश्य संगठन के निश्चित सिद्धांतों का विकास करना है। स्मरणीय है कि शास्त्रीय विचारधारा की एकमात्र महत्वपूर्ण विशेषता संगठन के सिद्धांतों को विकसित करने की चिन्ता तथा आकांक्षा है। शास्त्रीय विचारकों ने गम्भीरतापूर्वक उन आधारों की खोज का प्रयत्न किया है जिनके अनुसार संगठन में

Scanned with CamScanner

कार्य नियोजन किया जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने कार्यों और उनके पारस्परिक सम्बन्धों सम्बन्धों की सुनिश्चित परिभाषा पर बल दिया है तथा संगठन के सुचारू रूप से कार्य करने की दृष्टि से कर्मचारियों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए सत्ता के प्रयोग और अवरोध प्रणाली का समर्थन किया।

शास्त्रीय सिद्धान्त के समर्थकों का मानना है कि संगठन के किसी कार्य को सम्पादित करने से पूर्व उनके कार्यों की रूपरेखा या ढाँचा तैयार कर लेना चाहिए। दूसरे शब्दों में योजना बनाने के पश्चात उसे क्रियान्वित किया जाता है। संगठन के जितने भी पद हैं उन सब पर उचित व्यक्तियों को नियुक्त किया जाता है। संगठन की योजना बनाने के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि कितने व्यक्तियों को कहाँ कहाँ नियुक्त किया जाता है। साथ ही साथ कर्मचारियों का चयन करते समय सदैव यही ध्यान रखना चाहिए कि क्या वें संगठन की आवश्यकताओं के अनुरूप है? अर्थात अगर संगठन के ढाँचा, कार्य प्रणाली इत्यादि का निर्धारण कार्यान्वयन पूर्व किया जाता है, तो संगठन अधिक सफलतापूर्वक कार्य कर पाएगा।

संगठन के शास्त्रीय दृष्टिकोण के प्रमुख समर्थकों मे हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक तथा एल० एफ० उर्विक, मूने तथा रैले, ~~के विचारों को सार~~ एम० पी० फालेट आदि है।